

*Total number of pages-12*

**Subject Code : 27**

**B16-SX (E)**  
**EN/AS/BN**

**2016**

**SANSKRIT (E)**

*Full Marks : 100*

*Pass Marks : 30*

**Time : Three hours**

*The figures in the margin indicate full marks  
for the questions.*

*Contd.*



1. Translate the following passages :

4×4=16

তলৰ অনুচ্ছেদ কেইটা অনুবাদ কৰা :

নিচের অনুচ্ছেদগুলোর অনুবাদ কৰো :

- (a) तत्स्य वचनं श्रुत्वा मदोद्धता वानराः तं तिस्कारम् अकुर्वन्। तदा वानरसूथपतिः प्रोवाच — रे रे मूर्खाः, यूयं राजगृहस्य सुखस्य परिणामं न जानीथ। तदहं कुलक्षयं स्वयं नावलोकयिष्यामि। साम्प्रतं वनं यास्यामि।

**Or / नहिवा / अथवा**

तथानुष्ठिते भूपतिना सह रत्नमालालोभेन सर्वे कलत्रभृत्याः प्रस्थिताः। तत्र वानरोक्तविधिना राज्ञः सर्वे जनाः जले प्रवेशिताः। सद्य एव प्रविष्टास्ते लोकाः सर्वे रत्नमालाभूपितेन राक्षसेन भक्षिताः।

- (b) किन्तु धारानगरवासी राजा भोजः रोगपीडितो नितराम् अस्वस्थो वर्तते। तस्य रोगः केनापि वैद्येन न निवारितः। तदनेन भोजराजेन भिषग्वरा अपि स्वदेशान्निष्कासिताः। वैद्यशास्त्रमपि अनुत्तमिति निरस्तम् इति।

**Or / नहिवा / अथवा**

परं तस्मिन्नेव क्षणे कार्यवशात् बहिर्निगतः बुद्धिसागरः तौ दृष्ट्वा तयोः वार्ता श्रुत्वा तौ राज्ञः समीपं नीतवान्। राजा तौ अवलोक्य मुखश्रियाऽमानुषादिति बुद्ध्वा तौ बहु मानितवान्।

- (c) शैशवे एव तस्य माता-पितरौ दिवं गतौ। तयोर्मरणात् परं शंकरदेवस्य वृद्धमाता खेरसूती तं पालितवती। तदनन्तरं महेन्द्रकन्दली महोदयस्य विद्यालये शिक्षाग्रहनाय खेरसूती शंकरदेवस्य नामभर्तिकरणं कारितवती।

**Or / नहिवा / अथवा**

धर्मगुरुः शंकरदेवः धर्मप्रचारार्थं कीर्तननामकं ग्रन्थं विरचितवान्। भागवतपुराणमपि अनुदितवान्। भागवतस्य आख्यानानि आश्रित्य अनेकग्रन्थान् च विरचितवान्। तेषु 'हरिश्चन्द्र-उपाख्यानम्', 'अजामिल-उपाख्यानम्', 'बलिछलनम्' — इत्यादयः ग्रन्थाः उल्लेखनीयाः।

- (d) अस्य महाकवेः विकाशकालम् अधिकृत्यापि विदुषां वैमत्यं दृश्यते। तथापि एतत् निश्चितं यत् कालिदासः चन्द्रगुप्तस्य विक्रमादित्यस्य भूपतेः राजसभायां नवरत्नेषु अन्यतम आसीत्। साम्प्रतिकैरनेकैः कविभिः ईशवीय-पञ्चमशताब्दीतः सप्तमशताब्दीपर्यन्तं कालिदासस्य समयः निश्चीयते।



**Or / नहिवा / अथवा**

अभिज्ञानशकुन्तलनाटकं न केवलं कालिदासीयसाहित्ये, अपि तु विश्वनाट्यसाहित्येऽपि श्रेष्ठं स्थानम् अधिकरोति। उक्तं च — 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इति। सप्ताङ्कविशिष्टे नाटकेऽस्मिन् दुष्यन्तशकुन्तलयोः गान्धर्वविवाहमधिकृत्य सर्वा कथा उपनिबद्धा सन्ति।

2. Explain the following verses with reference to the context : 5×2=10

प्रसन्न-सङ्गतिं देखुवाइ तनर भ्लोककेहैटाव व्याख्या करी :

सप्रसन्न निचेर भ्लोकगुल्लोर व्याख्या करी :

- (a) तयोर्नित्यं प्रियं कुर्यादाचार्यस्य च सर्वदा।  
तेष्वेव त्रिषु तुष्टेषु तपः सर्वं समाप्यते ॥

**Or / नहिवा / अथवा**

वयसः कर्मणोऽर्थस्य श्रुतस्याभिजनस्य च।  
वेशवागबुद्धिसारूप्यमाचरन् विचरेदिह ॥

- (b) प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।  
अहंकारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते ॥

**Or / नहिवा / अथवा**

ज्ञानविज्ञानतृप्तात्मा कूटस्थो विजितेन्द्रियः।  
युक्त इत्युच्यते योगी समलोद्गाश्मकाञ्चनः ॥

3. Elucidate the idea of the following : 4×2=8

तनत दिग्गबोरबर भार बहलाई लिखा :

निम्नलिखितगुल्लोर भाव बिस्तार करी :

- (a) याचते कार्यकाले यः स किंभृत्यः स किंसुहृत्।

**Or / नहिवा / अथवा**

खामिनं सर्वभावेन परलोकममायया ॥

- (b) सुरतरुखिव कामप्रदायिनी।

**Or / नहिवा / अथवा**

परम-पूतचरितचारिणी



4. Answer the following questions :

4×3=12

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর লেখো :

(a) “मो मित्र, यत्समुचितं भवति तत् कर्तव्यमिति”

Who said this? To whom was it said? What was the reason of saying so?

এই কথাৰ কোনে কৈছিল? এনেদৰে কাক কোৱা হৈছিল? তেনেদৰে কোৱাৰ কাৰণটো কি আছিল?

এই কথাটি কে বলেছিল? এভাবে কাকে বলা হয়েছিল? সেভাবে বলার কারণ কী ছিল?

(b) From which drama the lesson ‘भ्रातृस्नेहस्तु दुर्लभः’ is adopted? Give an introduction of the dramatist.

‘भ्रातृस्नेहस्तु दुर्लभः’ নামৰ পাঠটি কোনখন নাটকৰ পৰা সংগ্ৰহ কৰা হৈছে? নাট্যকাৰজনৰ এটি পৰিচয় দিয়াঁ।

‘भ्रातृस्नेहस्तु दुर्लभः’ নামক পাঠটি কোন নাটক থেকে সংগৃहीत? नाट्यकारेणर एकटि परिचय दाओ।

(c) Answer the following questions in Sanskrit :

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ সংস্কৃতত লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর সংস্কৃততে লেখো :

(क) कुमारसम्भवम् महाकाव्ये कस्य कथा उपलभ्यते?

(ख) कुमारसम्भवम् महाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

(ग) मेघदूतकाव्ये कः मेघं दूतरूपेण प्रेषयामास?

(घ) विक्रमोर्वशीयम् नाटके कस्य कथा उपलभ्यते?

5. (a) Answer the following questions :

2

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর দাও :

(i) Fill in the blanks :

খালী ঠাই পূৰণ কৰাঁ :

শূন্যস্থান পূৰ্ণ কৰো :

\_\_\_\_\_ न्यसेत्यादं \_\_\_\_\_ जलं पिबेत्।





(ii) 'मम देवसमागमसमयः समागतः' —

Who is the speaker of this line? Whom did the speaker say this? 2

এই কথাষাৰিৰ বক্তা কোন? বক্তাই কাক এই কথা কৈছিল?

এই কথাটিৰ বক্তা কে? বক্তা কাকে এই কথাটি বলেছিলে?

(iii) Give Sanskrit equivalents of the following: (any two) 2

তলৰ যিকোনো দুটাৰ সংস্কৃত প্ৰতিশব্দ লিখা :

নিচের যে কোনো দুটির সংস্কৃত প্রতিশব্দ লেখো :

मित्रम्; धार्या; क्रोधः; भूमिः।

(iv) Write the names of any two famous writers mentioned in the lesson 'प्रसरतु सुरभारती'। 2

'प्रसरतु सुरभारती' নামৰ পাঠটিত উল্লেখ থকা যিকোনো দুজন বিখ্যাত লিখকৰ নাম উল্লেখ কৰা।

'प्रसरतु सुरभारती' নামক পাঠে উল্লেখিত যে কোনো দুজন বিখ্যাত লেখকেৰ নাম উল্লেখ কৰো।

(v) Write the names of two "अङ्गीया-नाटक"s written by Srimanta Sankaradeva. 2

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেবেৰে ৰচনা কৰা দুখন 'अङ्गीया नाटक'-ৰ নাম লিখা।

श्रीमन्त शंकरदेवेर रचित दुाँटि 'अङ्गीया नाटक'-एर नाम लेखो।

(b) (i) "The मनुसंहिता is also called मानवधर्मशास्त्र". 1

Write "Yes" or "No"

"हय" ने "नहय" लिखी।

"ह्या" अथवा "ना" लेखो।

(ii) To which section of the 'हितोपदेश' does the lesson "गर्दभकुक्कुर कथा" belong? 1

"गर्दभकुक्कुर कथा" नामक पाठटि 'हितोपदेश' ब कोनटो खण्डत आछे?

"गर्दभकुक्कुर कथा" नामक पाठटि 'हितोपदेश'-एर कोन खण्डे आछे?



- (iii) How many chapters are there in the "गीता"? 1  
 "गीता"त केईटा अध्याय आहे?  
 "गीता"य कऱि अध्याय आहे?
- (iv) With whom 'भरत' went to forest in search of राम? 1  
 'भरत' काब सैते बामक बिचारि बनलै गैछिल?  
 'भरत' कार सङ्गे रामेर अनुसङ्गाने बने गियेछिलेन?
- (v) "भ्रातृमनोरथं पूर्य"  
 — who is referred to as 'भ्रातृ' here? 1  
 इयात 'भ्रातृ' बुलि काक बुजोरा हैछे?  
 एथाने 'भ्रातृ' बले काके बोवानो ह्येछे?
- (vi) "The lesson 'अक्षयुधित्तिर-संवाद' is taken from the 'वनपर्व' of महाभारत."  
 Say 'Yes' or 'No'. 1  
 'हय' ने 'नहय' कोरौ।  
 'ह्या' अथवा 'ना' बलो।
- (vii) What is superior to wealth? 1  
 धनतकै उन्नत कि?  
 सम्पद थेके श्रेष्ठ की?
- (viii) Who is the friend in abroad? 1  
 बिदेशत मित्र कोन?  
 बिदेशे बन्धु के?
- (ix) Who is the author of the lesson "महापुरुषः प्रीमन्तराकरदेवः"? 1  
 "महापुरुषः प्रीमन्तराकरदेवः" नामर पाठि लेखक कोन?  
 "महापुरुषः प्रीमन्तराकरदेवः" नामक पाठेर लेखक के?



6. (a) Account for the case-ending in **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নিচের যে কোনো দুটির কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰো :

ভূমি in Q. No. 1 (a) or

[1 নং (a) অথবা প্ৰশ্নত ]

[1 নং (a) অথবা প্ৰশ্নে ]

বৈদ্য in Q. No. 1 (b)

[1 নং (b) প্ৰশ্নত ]

[1 নং (b) প্ৰশ্নে ]

নবম্বলৈষু in Q. No. 1 (d)

[1 নং (d) প্ৰশ্নত ]

[1 নং (d) প্ৰশ্নে ]

তস্য in Q. No. 1 (c)

[1 নং (c) প্ৰশ্নত ]

[1 নং (c) প্ৰশ্নে ]

(b) Derive **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নিচের যে কোনো দুটির ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰো :

প্ৰোবাচ in Q. No. 1 (a)

[1 নং (a) প্ৰশ্নত ]

[1 নং (a) প্ৰশ্নে ]

অপ্তিল্য in Q. No. 1 (c) or

[1 নং (c) অথবা প্ৰশ্নত ]

[1 নং (c) অথবা প্ৰশ্নে ]



कुर्यात् in Q. No. 2 (a)

[ 2 नं (a) प्रश्नत ]

[ 2 नं (a) प्रश्ने ]

मन्थते in Q. No. 2 (b)

[ 2 नं (b) प्रश्नत ]

[ 2 नं (b) प्रश्ने ]

7. (a) Decline **any two** of the following :

1½×2=3

तलर वि कोनो दुटाऱ शरररुण लिखी :

निचेर ये कोनो दुऱिऱ शरररुण लेखो :

नर in ढरुती plural

(षरुतीऱ वरुवचनत)

(षरुतीऱ वरुवचने)

नदी in द्वितीया Dual

(द्वितीयाऱ द्विवचनत)

(द्वितीयाऱ द्विवचने)

साधु in सप्तमी singular

(सप्तमीऱ ँकवचनत)

(सप्तमीऱ ँकवचने)

यजन् in चतुर्था Dual

(चतुर्थाऱ द्विवचनत)

(चतुर्थाऱ द्विवचने)





(b) Conjugate **any two** of the following :

1½×2=3

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ধাতুৰূপ লিখাঁ :

নিচের যে কোনো দুটিৰ ধাতুৰূপ লেখো :

√अद् in लट् मि

(লট্ বিভক্তিৰ মি)

(लट् विभक्तिर मि)

√विद् in लोट् हि

(লোট্ বিভক্তিৰ হি)

(लोट् विभक्तिर हि)

√कृ (प.) in लङ् म

(লঙ্ বিভক্তিৰ ম)

(लङ् विभक्तिर म)

√पठ् in विधिलिङ् याम्

(বিধিলিঙ্ বিভক্তিৰ যাস্)

(विधिलिङ् विभक्तिर यस्)

(c) Name and expound **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যাসবাক্য লিখি সমাসৰ নাম লিখাঁ :

নিচের যে কোনো দুটিৰ ব্যাসবাক্য লিখে সমাসের নাম লেখো :

बुर्ध्निष्णम् ; महावीरः ; त्रिलोकी ; पीताम्बरः ।

(d) Change the voice in **any one** of the following :

2

তলৰ যি কোনো এটাৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰাঁ :

নিচের যে কোনো একটিৰ বাচ্য परिवर्तन करो :

(i) बालिका ओदनं पचति ।

(ii) कुम्भकारेण घटं क्रियते ।

(iii) अहं गृहं गच्छामि ।



(e) Define and illustrate 'अपादान कारक'.

2+1=3

'अपादान कारक'ब संज्ञा आरु उदाहरण दियौ।

'अपादान कारक'-एर संज्ञा एवंग उदाहरण दाओ।

**Or / नहिवा / अथवा**

Give examples in suitable sentences of **any two** of the following :

1½×2=3

उपयुक्त वाक्यात तलब यिकोनो दुटाब उदाहरण दियौ :

उपयुक्त वाक्ये निचेर ये कोनो दुटिर उदाहरण दाओ :

(i) भावे सप्तमी।

(ii) येनाङ्गविकारः।

(iii) तुमथच्चि भाववचनात्।

(iv) षष्ठी चानादे।

(f) Give the resultant forms of **any two** of the following :

1×2=2

तलब यिकोनो दुटाब निष्पन्न रूप लिखी :

निचेर ये कोनो दुटिर निष्पन्न रूप लेखो :

(i) √ज्ञा + णिच् + लट् ति।

(ii) √स्था + णिच् + लट् ति।

(iii) √कृ + सन् + लट् ति।

(iv) √गम् + सन् + लट् ति।

8. Translate into Sanskrit **any four** of the following sentences :

2½×4=10

तलब यिकोनो चाबिटा वाक्य संस्कृतले अनुवाद करी :

निचेर ये कोनो चारटि वाक्य संस्कृते अनुवाद करो :

(a) Character is the greatest wealth of a man.

चरित्रेइ मानुहर आटिहितके श्रेष्ठ सम्पद।

चरित्रे मानुषेर सर्वश्रेष्ठ सम्पद।



(b) Idleness is a great enemy of man.

এলাহেই মানুহৰ প্ৰধান শত্ৰু।

আলস্য মানুহৰ প্ৰধান শত্ৰু।

(c) There is no wealth like learning.

বিদ্যাৰ সমান ধন নাই।

বিদ্যাৰ সমান সম্পদ নাই।

(d) Flowers are blooming in the garden.

বাগিছাত ফুলবোৰ ফুলি আছে।

উদ্যানে ফুলগুলো ফুটে আছে।

(e) What is your name? What class do you read in?

তোমাৰ নাম কি? তুমি কোন শ্ৰেণীত পঢ়া?

তোমাৰ নাম কী? তুমি কোন শ্ৰেণীতে অধ্যয়ন কৰো?

(f) We should not cut down trees.

আমি গছ কাটা উচিত নহয়।

আমাদেৰ গাছ কাটা উচিত নয়।

— x —